इकाई-1 **भोजपुरी का प्राचीन काव्य :**

सिद्ध एवं नाथ सम्प्रदाय के कवि और उनका काव्य।

सरहप्पा, शबरप्पा, भुसुकप्पा, कुकरिप्पा, चौरंगीनाथ, गोरखनाथ, भरथरी और गोपीचन्द।

इकाई-2 **भोजपुरी का संत काव्य :**

कबीर, धरमदास, धरनीदास, दरियादास, भिनकराम, टेकमन राम, लछिमी सखी।

इकाई-3 **भोजपुरी के आधुनिक कवि और काव्य :**

हीराडोम, महेन्दर मिसिर, रघुवीर नारायण, मनोरंजन प्रसाद सिन्हा, सिपाही सिंह श्रीमंत, अनिरूद्ध, रामेश्वर सिंह काश्यप।

इकाई-4 **भोजपुरी का कथा साहित्यः**

कहानीकार और कहानी : अवध बिहारी सुमन (स्वामी विमलानन्द सरस्वती)-जेहलि के सनद, रामनाथ पाण्डेय-सतवंती, रूपश्री- जिनगी के परछाहीं, कृष्णानंद कृष्ण - रावन अबहीं मरल नइखे, जवाहर सिंह-गाँव के मुरदा, डॉ0 उषा वर्मा-लाइची, बरमेसर सिंह-अमरकथा।

इकाई-5 **भोजपुरी का कथा साहित्यः उपन्यासकार और उपन्यास**

रामनाथ पाण्डेय - विंदिया, पाण्डेय कपिल - फुलसुंघी, नरेन्द्र रस्तोगी 'मशरक' - कमली, नर्मदेश्वर राय - कवाछ।

14.6.19

इकाई-6 भोजपुरी का नाट्य साहित्य :

नाटककार और नाटक : भिखारी ठाकुर – विदेसिया, राहुल सांकृत्यायन – मेहरारू के दुरदसा, महेन्द्र प्रसाद सिंह – विरजू के बिआह, सतीश्वर सहाय वर्मा सतीश – माटी के दीआ घीव के बाती।

इकाई-7 भोजपुरी का निबन्ध साहित्य :

निबन्धकार और निबन्ध : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी – भोजपुरी सुभाव : सोगहग भाव, डॉ उदय नारायण तिवारी – भोजपुरी के प्रासंगिकता, गणेश चौबे – भोजपुरी भाषा के स्वरूप के सवाल, डॉ0 विवेकी राय – खटिया, हरिकिशोर पाण्डेय – कविता के कसौटी, डॉ0 प्रभुनाथ सिंह – राजनेता आ साहित्यकार, डॉ0 रिपुसूदन श्रीवास्तव – भोजपुरी कविता में गीतितत्व, रामाज्ञा प्रसाद सिंह विकल – सांस्कृतिक चेतना आ संतकवि, डॉ0 जयकान्त सिंह – मातृभाषाई अस्मिताबोध।

इकाई-8 भोजपुरी काव्य में अलंकार एवं छन्द :

अलंकार : छेकानुप्रास, वृत्यानुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, उत्प्रेक्षा, भ्रांतिमान।

छन्द : दोहा, सोरठा, चौपाई, आल्हा, बरवै, कुंडलिया, रोला

इकाई-9 भोजपुरी लोक :

भोजपुरी भाषा की विकास यात्रा, भोजपुरी भाषा का नामाकरण, भोजपुरी लोक संस्कृति, भोजपुरी क्षेत्र के पर्व-त्योहार, भोजपुरी क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तित्व, भोजपुरी भाषी क्षेत्र की व्यापकता, भोजपुरी भाषा के स्थानीय भेद।

इकाई-10 भोजपुरी लोक साहित्य :

भोजपुरी लोकगीत : संस्कार गीत, ऋतुगीत और श्रमगीत, भोजपुरी लोकगाथा, भोजपुरी लोकनाट्य, भोजपुरी लोक कथा, भोजपुरी के कहावत और मुहावरे।

14.6.19

(डॉ० जयकान्त सिंह)
अध्यक्ष, भोजपुरी विभाग
लंगट सिंह महाविद्यालय,
मुजफ्फरपुर